क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 272, शनिवार, 27 अक्टूबर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सिपाही की विधवा से सार्जेंट मेजर करता था गंदी बातें, ऑडियो वायरल

पटना, एजेंसी। सिपाही की विधवा को नौकरी के बदले शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करने की बात करते सार्जेंट मेजर का कथित ऑडियो वायरल हुआ है। ऑडियो सामने आने के बाद पुलिस मेंस एसोसिएशन का तेवर तल्ख है। शुक्रवार को मेंस एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार धीरज के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने एडीजी और डीजीपी से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने इंस्पेक्टर सह सार्जेंट मेजर कामेश्वर दास पर अविलंब कार्रवाई की मांग की। जिस महिला के साथ सार्जेंट मेजर की बातचीत का ऑडियो वायरल हुआ है, उसके पति मुजफ्फरपुर रेल पुलिस में सिपाही थे। पांच वर्ष पूर्व हार्टअटैक से उनकी मौत हो गई थी। महिला की कुछ दिनों पहले अनुकंपा पर बहाली हो गई है। अभी वह ट्रेनिंग कर रही है।

अनुकंपा पर नौकरी से पहले का है ऑडियो

करीब बारह मिनट के वायरल ऑडियो में सार्जेंट मेजर पर आरोप है कि वह महिला को अपने घर आने को कह रहा है। ऑडियो में सार्जेंट मेजर न सिर्फ अश्लील बातें कर रहे हैं, बल्कि महिला पर शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव भी डाल रहा है।

ऑडियो के वायरल होने के बाद मेंस एसोसिएशन की ओर से पूरे मामले की जांच कराई गई। उस महिला से भी बात की गई जिसके साथ सार्जेंट मेजर बात कर रहा है। महिला ने ऑडियो उसी के होने की पुष्टि की। साथ ही आरोप लगाया कि उसे सार्जेंट मेजर द्वारा लगातार तंग किया जा रहा है। एसोसिएशन के मुताबिक ऑडियो तब का है जब महिला अनुकंपा पर नौकरी के लिए भाग-दौड़ कर रही थी।

एसोशिएशन ने कार्रवाई की मांग की

एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि पुलिस मैनुअल में ऐसा प्रावधान है कि बगैर प्रोसिडिंग के पुलिसकर्मी को बर्खास्त किया जा सकता है। इसी नियम के तहत सार्जेंट मेजर पर कार्रवाई की जाए। उसकी गिरफ्तारी तत्काल सुनिश्चित की जाए। इस मामले में एडीजी एसके सिंघल ने कहा की मुजफ्फरपुर रेल एसपी से पूरे मामले की रिपोर्ट तलब की गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद दोषी पदाधिकारी पर कार्रवाई होगी।

टूजी मामले में सुनवाई अब 7 फरवरी को

नई दिल्ली। टूजी स्पेक्ट्रम घोटाला मामले में पूर्व दूरसंचार मंत्री ए. राजा व अन्य को बरी किये जाने के खिलाफ सीबीआई व प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अपील पर हाईकोर्ट 7 फरवरी को सुनवाई करेगा। ईडी मामले में इसकी सुनवायी 25 अक्टूबर को थी। जबकि सीबीआई में यह सुनवायी पहले से ही 7 फरवरी निर्धारित है। न्यायमूर्ति नजिमी वजिरी ने अब दोनों की मामलों की सुनवाई के लिए 7 फरवरी की तारीख निर्धारित कर दी है। सीबीआई की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि वे इस मामले की जल्द सुनवाई चाहते हैं। अभियुक्त जो समय लें, पर जवाब दाखिल कर दें जिससे जल्द सुनवाई हो सके।

मथुरा में बृहस्पतिवार को ''करवा चौथ' के लिए खरीदारी करतीं महिलाएं।

मध्यप्रदेश चुनाव: शिवराज की जन आशीर्वाद यात्रा अचानक खत्म, उठे सवाल!

एजेंसी,भोपाल। मध्यप्रदेश के मतदाताओं को लुभाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के पास मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से चमकदार चेहरा राज्य की राजनीति में कोई दूसरा नहीं है, ऐसे में उनकी जनआशीवार्द यात्रा का समापन गुरुवार की रात अचानक अधूरे ही कर दिए जाने से कई सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस चुटकी ले रही है कि 'जब भीड़ ही नहीं जुट रही तो यात्रा निकालकर क्या करते?' भाजपा ने अपने सबसे प्रभावशाली चेहरे शिवराज के जरिए आमजन तक पहुंचने के लिए आचार संहिता लागू होने से पहले शिवराज की जन आशीवार्द यात्रा शुरू की थी। न्यूज एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक इस यात्रा को राज्य की 230 विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंचना था, लेकिन यह यात्रा गुरुवार तक 187 विधानसभा क्षेत्रों तक ही पहुंची। राज्य के चुनाव प्रभारी बनाए गए पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को अचानक इस यात्रा को खत्म करने का ऐलान कर दिया।

पार्टी की ओर से तर्क दिया जा रहा है कि 'आचार संहिता लग चुकी है, शिवराज प्रचार के समय बाकी बचे विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे।' जब धर्मेंद्र प्रधान ने यात्रा खत्म किए जाने का ऐलान किया तो उसके बाद शिवराज जबलपुर में अंतिम सभा किए बिना ही भोपाल लौट गए। मुख्यमंत्री शिवराज ने 14 जुलाई को उज्जैन से जनआशीवार्द यात्रा शुरू की थी। इस यात्रा को 45 दिन में राज्य के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचना था। यात्रा तय समय सीमा को पार कर चुकी थी, 25 अक्टूबर तक वह 187 विधानसभा क्षेत्रों तक ही पहुंची थी। अभी 43 विधानसभा क्षेत्र ऐसे थे, जहां यात्रा पहुंचनी थी, मगर पार्टी ने अचानक उसे खत्म करने का ऐलान कर दिया। शिवराज की जन आशीवार्द यात्रा के अचानक खत्म किए जाने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने चुटकी लेते हुए कहा, शिवराज सिंह की जन आशीवार्द यात्रा बनाम जबरन आशीवार्द यात्रा एक मजाक बनकर रह गई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने विपरीत परिस्थितियों को भांपते हुए शिवराज की यात्रा चुनावी व्यस्तताओं का बहाना बनाकर बंद कर दी है, जबकि शिवराज ने बड़े दंभ के साथ ऐलान किया था कि यात्रा को चुनाव तक चलाएंगे। यात्रा बंद करने का असली कारण जनता द्वारा यात्रा से दूरी बना लेना है।

गूगल सर्च पर नबंर वन यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, जानिए कहां के मुख्यमंत्री नंबर दो पर

राज्य मुख्यालय। कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे देश में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शोहरत बढ़ रही है। उनके बारे में लोग जानना चाहते हैं। भाजपा के हिन्दुत्व के प्रतीक व गोरखनाथ पीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ को भाजपा ने अपना स्टार प्रचारक भी बना रखा है। गूगल्स टेंड्रस के मुताबिक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिछले एक साल में मुख्यमंत्रियों में सबसे ज्यादा सर्च किये गये हैं। योगी आदित्यनाथ गूगल सर्च इंजन में सबसे ज्यादा ट्रेंड हुए हैं। वह गूगल ट्रेंड में टॉप पर चल रहे हैं। वैसे योगी आदित्यनाथ पहले से ही खासे लोकप्रिय रहे हैं। वह कई बार सांसद भी रहे। लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके काम व उनके भाषणों ने उनके बारे में जाने में और दिलचस्पी हुई। सीएम बनने के बाद हुए विधानसभा चुनाव प्रचार में भाजपा ने उन्हें बतौर स्टार प्रचारक मैदान में उतारा। वह गुजरात, कर्नाटक, त्रिपुरा का चुनावी दौरा किया और ढेरों जनसभाएं की। इसके अलावा दूसरे कारणों से भी देश के दूसरे हिस्सों में गये। भगवा वेश, युवा योगी व प्रखर वाणी, राष्ट्रवाद व हिन्दुत्व पर उनके

धारदार भाषणों व सीएम के रूप में उनके काम के चलते उनके बारे में लोगों की दिलचस्पी बढ़ती जा रही है।

नंबर एक पर योगी नंबर दो पर शिवराज

खास बात यह है कि योगी आदित्यनाथ के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान नंबर दो पर हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती व अखिलेश यादव का नंबर योगी आदित्यनाथ के बाद आता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने इस मामले में गुजरात के सीएम विजय रूपाणी, राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और गोवा के सीएम मनोहर परिकर को भी पीछे छोड़ दिया है।

कालका स्टेशन पर ट्रेनों का परिचालन रहेगा प्रभावित

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन शुरू हो चुका है और ट्रेनों मे यात्रियों की भीड़ बढनी शुरू हो गई है। ऐसे में रेलवे के विभिन्न मार्गों पर चल रहे नॉन इंटरलाकिंग कायरे के चलते ट्रेनों का परिचालन अस्थायी रूप से रद्द कर दिया गया है। उत्तर रेलवे के प्रवक्ता के अनुसार कालका स्टेशन पर नॉन-इंटरलाकिंग का कार्य किये जाने की वजह से 26-31 अक्टूबर तक ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। नॉन इंटरलाकिंग की वजह से हवाड़ा-कालका-हावड़ा ट्रेन चंडीगढ से कालका के बीच 26 व 27 को रद्द रहेगी। बाडमेर-कालका-बाडमेर 26-31 तक अंबाला से कालका के बीच रद्द रहेगी। सराय रोहिल्ला से कालका तक हिमालयन क्वीन चंडीगढ़ से कालका के बीच 26 से 31 तक रद्द रहेगी। इसी तरह दिल्ली-कालका-दिल्ली शताब्दी चंड़ीगढ से कालका के बीच 26-30, परिचालन भी प्रभावित रहेगा।

»» राष्ट्रपति ने दिल्ली के 27 आप विधायकों को अयोग्य ठहराने की याचिका खारिज की

"आप' के बच गए 27

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) को राहत देते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कथित लाभ के पद को लेकर दिल्ली के उसके 27 विधायकों को विधानसभा की सदस्यता के अयोग्य करार देने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी है।

शहर के कई अस्पतालों से जुड़ी रोगी कल्याण समितियों के प्रमुखों के रूप में नियुक्ति के बाद विधायकों पर लाभ के पद पर होने का आरोप लगा था। राष्ट्रपति ने चुनाव आयोग द्वारा 10 जुलाई को दी गई एक राय के आधार पर 15 अक्टूबर को आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए याचिका खारिज कर दी। चुनाव आयोग ने 21 जून, 2016 को विभोर आनंद द्वारा दायर की गई याचिका में गुण नहीं पाया। याचिका में दावा किया गया था कि आप के 27 विधायक इन अस्पतालों के रोजाना के प्रशासन में ''हस्तक्षेप' की स्थिति में हैं और इस तरह ये लाभ के पद हैं। याचिका में यह भी दावा किया गया था कि मई, 2015 में दिल्ली के स्वास्य मंत्री ने सभी सरकारी अस्पतालों को समिति के प्रमुख को कार्यालय स्थल मुहैया कराने के निर्देश दिए थे, यह भी लाभ के पद कानून के प्रावधान के तहत आता है। चुनाव आयोग ने राष्ट्रपति को दी गई अपनी राय में कहा था, ''यह पाया गया कि दिल्ली विधानसभा सदस्य अधिनियम, 1997 की अनुसूची के 14वें विषय (अयोग्यता हटाना) के तहत, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार के अस्पतालों में रोगी कल्याण समितियों के प्रमुखों के पद छूट वाली श्रेणी में आते हैं और इसलिए आयोग का मानना है कि प्रतिवादी लाभ का पद रखने के लिए अयोग्य करार नहीं दिए जाते।'

यह है करवा चौथ व्रत विधि और इस समय निकलेगा चांद

नई दिल्ली। करवा चौथ जिसे संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी भी कहा जाता है। 'करवा चौथ' जिसका सभी विवाहित स्त्रियां साल भर इंतजार करती हैं और इसकी सभी विधियों को बड़े श्रद्धा-भाव से पूरा करती हैं। करवाचौथ का त्योहार पति-पत्नी के मजबूत रिश्ते, प्यार और विश्वास का प्रतीक है। कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ का व्रत किया जाता है। कार्तिक मास की चतुर्थी जिस रात रहती है उसी दिन करवा चौथ का व्रत किया जाता है। इस साल यह व्रत 27 अक्टूबर को किया जाएगा।

ज्योतिर्विद पं दिवाकर त्रिपाठी पूर्वांचली के अनुसार पूजा मुहूर्त- सायंकाल 6:35- रात 8:00 तक पूजन करे परंतु अर्घ्य 8 बजे के बाद

चंद्रोदय- सायंकाल 7:38 बजे के बाद

चतुर्थी तिथि आरंभ- 27 अक्टूबर को रात में 07:38 बजे

करवा चौथ कैसे मनाया जाता है

महिलाएं सुबह सूर्योदय से पहले उठकर सर्गी खाती हैं। यह खाना आमतौर पर उनकी सास बनाती हैं। इसे खाने के बाद महिलाएं पूरे दिन भूखी-प्यासी रहती हैं। दिन में शिव,पार्वती और कार्तिक की पूजा की जाती है। शाम को देवी की पूजा होती है, जिसमें पति की लंबी उम्र की कामना की जाती है। चंद्रमा दिखने पर महिलाएं छलनी से पति और चंद्रमा की छवि देखती हैं। पति इसके बाद पत्नी को पानी पिलाकर व्रत तुड़वाता है।

करवा चौथ व्रत विधान

उत्थान ज्योतिष संस्थान के निदेशक ज्योतिर्विद पं दिवाकर त्रिपाठी पूर्वांचली ने बताया कि व्रत रखने वाली स्त्री सुबह नित्यकर्मों से निवृत्त होकर, स्नान और संध्या की आरती करके, आचमन के बाद संकल्प लेकर यह कहें कि मैं अपने सौभाग्य एंव पुत्र-पौत्रादि तथा अखंड सौभाग्य की ,अक्षय संपत्ति की प्राप्ति के लिए करवा चौथ का व्रत करूंगी। यह व्रत निराहार ही नहीं अपितु निर्जला के रूप में करना अधिक फलप्रद माना जाता है। इस व्रत में शिव-पार्वती, कार्तिकेय और गौरा का पूजन करने का विधान है।

करवा चौथ व्रत पूजन:

चंद्रमा, शिव, पार्वती, स्वामी कार्तिकेय और गौरा की मूर्तियों की पूजा षोडशोपचार विधि से विधिवत करके एक तांबे या मिट्टी के पात्र में चावल, उड़द की दाल, सुहाग की सामग्री, जैसे- सिंदूर, चूडियां, शीशा, कंघी, रिबन और रुपया रखकर उम्र में किसी बड़ी सुहागिन महिला या अपनी सास के पांव छूकर उन्हें भेंट करनी चाहिए। सायं बेला पर पुरोहित से कथा सुनें, दान-दक्षिणा दें। तत्पश्चात रात्रि में जब पूर्ण चंद्रोदय हो जाए तब चंद्रमा को छलनी से देखकर अर्घ्य दें। आरती उतारें और अपने पति का दर्शन करते हुए पूजा करें। इससे पति की उम्र लंबी होती है।उसके बाद पति के हाथ से पानी पीकर व्रत खोलें।

कल: इस बार 11 साल बाद बनेगा राजयोग, अत्यंत शुभ मुहूर्त में होगी पूजा

इस साल 27 अक्टूबर 2018, शनिवार को करवा चौथ मनाया जाएगा। इस बार करवा चौथ पर अत्यंत शुभ योग बन रहे हैं। पंडितों के अनुसार इस बार 11 साल बाद करवाचौथ पर राजयोग बन रहा है। इसके साथ ही सर्वार्थसिद्धि और अमृतसिद्धि योग भी बन रहे हैं। तीन एक साथ शुभ योगों के होने के कारण इस बार करवाचौथ की पूजा अत्यंत ही शुभ मुहूर्त में होगी। इससे पहले 2007 में करवाचौथ पर राजयोग बना था।

सुहागिन महिलाओं के लिए करवाचौथ का व्रत बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। शायद इसीलिए सती सावित्री ने इस बात की गंभीरता को समझा और अपने तप के बल पर पति सत्यवान को यमराज से मुक्त कराया। यमराज से उन्होंने अपने पति की लंबी आयु का वरदान हासिल किया था। यह व्रत आमतौर पर शादीशुदा महिलाएं ही करती हैं। करवा चौथ पर महिलाएं पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर उसे अर्घ्य देकर व्रत खोलती हैं। चांद निकलने के बाद करवाचौथ की पूजा की जाती है।

करवा चौथ डेट : 27 अक्टूबर 2018
करवा चौथ मुहूर्त-
करवा चौथ पूजा मुहूर्त: 5:40 से 6:47 तक
करवा चौथ चंद्रोदय समय : शाम 7 बजकर 55 मिनट

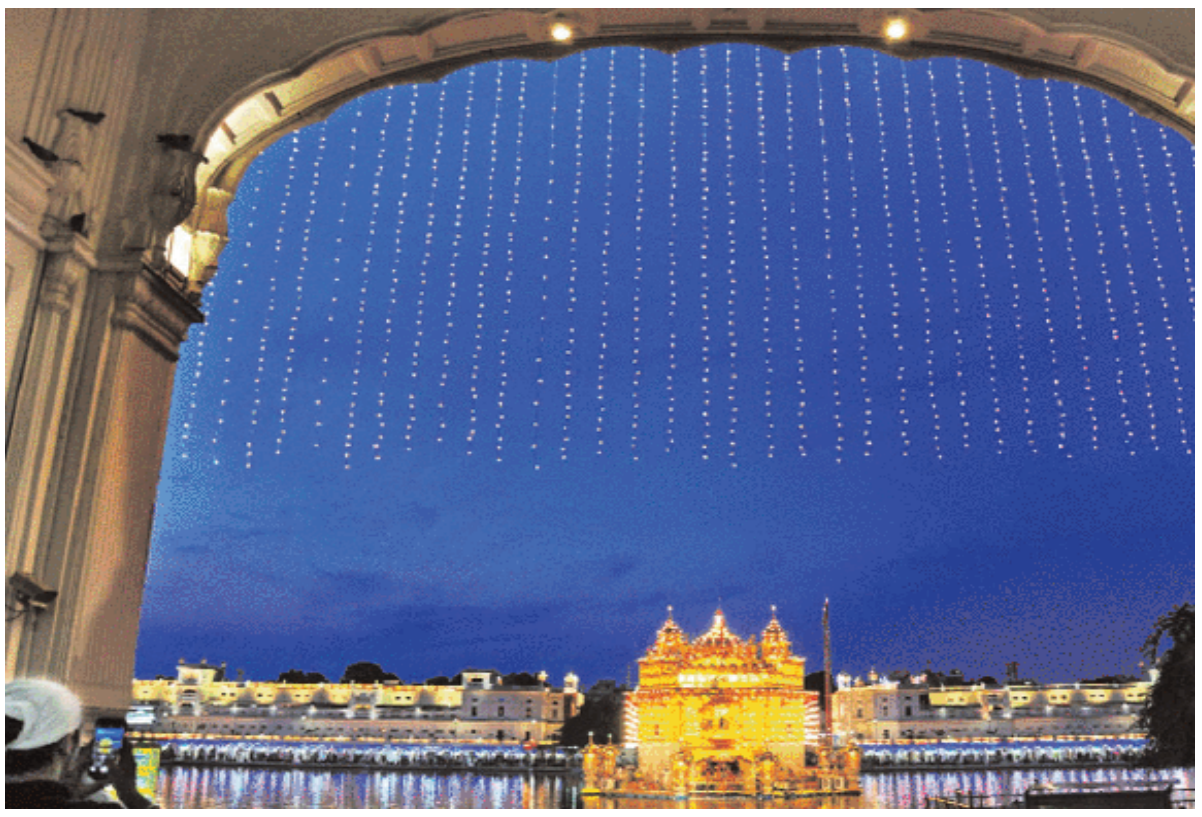

चौथे सिख गुरु गुरु रामदास जी की 484वीं जयंती के अवसर पर बृहस्पतिवार को रोशनी से जगमगाता अमृतसर स्थित श्री हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर)।

अखिलेश ने चाचा शिवपाल की पार्टी को बताया भाजपा की बी टीम

लखनऊ। अखिलेश यादव ने अपने चाचा शिवपाल की पार्टी को भाजपा की बी टीम बताते हुए कहा कि उनकी लड़ाई केवल भाजपा से है। उन्होंने शिवपाल पर किसी कार्रवाई से इंकार करते हुए कहा कि वह ऐसा कोई काम नहीं करेंगे जिससे अन्याय होता दिखे। कहा कि सपा की लड़ाई सिर्फ भाजपा से है। अखिलेश ने ये बात पार्टी दफ्तर में शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहीं। अखिलेश ने कहा कि भाजपा की किसी ए, बी, सी, डी, ई या जी वाली टीम से नहीं। बताते चलें कि शिवपाल यादव ने हाल ही में नई पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया बना कर सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

राफेल मामले की जांच जेपीसी करे

अखिलेश ने राफेल सौदे मामले पर कहा कि अगर इतने समझौते पर अगर सवाल खड़े हुए हैं तो भाजपा को सचाई के साथ जरूर सामने आना चाहिए। इसके लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच होनी चाहिए।

संपादकीय

गुटबाजी एवं संघर्ष

शीर्ष जांच एजेंसी सीबीआई में जो हालात पैदा हो गए थे, उसमें तत्काल रास्ता यही था कि आपसी गुटबाजी एवं संघर्ष में संलिप्त शीर्ष अधिकारियों को किसी तरीके से बाहर किया जाए। इसलिए केंद्रीय सर्तकता अयोग की अनुशंसा पर सरकार द्वारा निदेशक आलोक वर्मा एवं विशेष निदेशक राकेश अस्थाना को छुट्टी पर भेजना, अन्य अनेक अधिकारियों का स्थानांतरण और नेतृत्व के लिए एक कार्यकारी निदेशक को बिठाना इस समय बिल्कुल स्वाभाविक कदम दिखता है। अब जब आलोक वर्मा स्वयं को छुट्टी पर भेजे जाने के विरु द्ध सर्वोच्च न्यायालय चले गए हैं, इसलिए हमें उसके फैसले की भी प्रतीक्षा करनी होगी। अस्थाना के विरुद्ध भी याचिका डाली गई है। प्रश्न है कि अगर सीबीआई जैसी प्रतिष्ठित संस्था में इस तरह आपस में ही शीर्षतम अधिकारी एक दूसरे के खिलाफ लगे हों और उससे पूरा कामकाज प्रभावित हो रहा है तो कोई सरकार कैसे आंखें मूंदे देखती रहेगी? सच तो यही है कि राजनीतिक नेतृत्व की अनदेखी से ही सीबीआई की अंदरूनी लड़ाई इतनी सघन हो गई। सरकार के होने का अर्थ क्या है? सरकार किसी जांच को प्रभावित के लिए हस्तक्षेप करे तो वह गलत होगा, किंतु संस्था सुचारू रूप से काम करे इसके लिए प्रशासनिक कदम उठाने ही होंगे। जब दोनों अधिकारियों पर घूसखोरी और अन्य प्रकार की अनियमितता के आरोप हैं तो उनको बनाए रखते हुए स्वतंत्र जांच हो भी नहीं सकती थी। विपक्ष इस समय भले इसे मुद्दा बनाए किंतु देश भर में वातावरण यही था कि आरोपों की जांच होने तक दोनों को अलग हो जाना चाहिए और इनके गुटों में शामिल अन्य अधिकारियों को बाहर करना चाहिए। निदेशक का दो वर्ष कार्यकाल निश्चित होने का अर्थ यह नहीं है कि किसी भी स्थिति में उनको बीच में हटाया नहीं जा सकता। लिहाजा सरकार ने इन दोनों अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त करके सराहनीय काम किया है। सीबीआई जैसी देश की सर्वोच्च संस्था की रोजमर्रा के कामकाज में कोई भी सरकार चाहकर भी हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि सरकार को और पहले हस्तक्षेप करना चाहिए था। यदि संस्था के नंबर एक और नंबर दो अधिकारी के बीच टकराव था तो बेहतर होता कि वे आपस में मसले को सुलझा लेते। आखिर दोनों वरिष्ठ और जिम्मेदार अधिकारी थे। लेकिन इस प्रकरण से सीबीआई की छवि पर ऐसा बट्टा लगा है, जिससे निकालने में वक्त लगेगा।

केंद्र सरकार के फैसले

मीटू अभियान ने समाज ही नहीं, शासन पर भी अपना असर दिखाया, यह दिल्ली और केंद्र सरकार के फैसले से प्रतीत होता है। इस अभियान की पृष्ठभूमि में दिल्ली सरकार ने यौन उत्पीड़न की शिकार महिलाओं को दी जाने वाली मुआवजा राशि में बढ़ोतरी की है, तो केंद्र सरकार ने कार्य स्थलों पर यौन उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने और उससे निपटने के लिए कानूनी और संस्थागत ढांचा को मजबूती प्रदान करने के लिए गृह मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंत्री समूह का गठन कर दिया है। यह समूह कार्यकारी महिलाओं के यौन उत्पीड़न से निपटने के बारे में मूलत: दो बिन्दुओं पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह मौजूदा प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कदम उठाने के साथ-साथ कानूनी एवं संस्थागत ढांचे में जरूरी बदलाव के लिए सिफारिश करेगा। यह अच्छी बात है कि मंत्री समूह को निर्धारित समय तीन महीने के भीतर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों की परीक्षा कर अपनी सिफारिश देनी है। यह समयबद्धता महिला सुरक्षा के संदर्भ में सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाती है। जिस प्रकार सामंतवाद से पूंजीवाद की ओर संक्रमणशील भारतीय समाज के सामने नई चुनौतियां पेश हो रही हैं, उम्मीद की जा सकती है कि मंत्री समूह की सिफारिशों में उनका समाधान होगा, ताकि एक सचमुच समावेशी समाज का निर्माण किया जा सके। कहने का आशय यह है कि मंत्री समूह की सिफारिश में वर्तमान ही नहीं, भविष्य के प्रति भी सजगता दिखे। मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश एवं बाद में इसके मद्देनजर कानून बन जाने पर भी मंत्री समूह को मौजूदा कानूनी एवं संस्थागत ढांचे पर पुनर्विचार करना पड़ रहा है। इसके बावजूद अगर पूर्व की भांति ही स्थिति बनी रहती है, तो यही कहा जाएगा कि मौजूदा कवायद बेकार चली गई। अतीत की पुनरावृत्ति नहीं होगी और आने वाले समय में कार्यस्थलों पर महिलाओं के प्रति व्यवस्था की सोच बदलेगी और उन्हें यौन उत्पीड़न एवं उससे उपजी मानसिक यातना से मुक्ति मिलेगी। यह भी उम्मीद की जा सकती है कि यह आवाज शहरी समाज के पढ़े-लिखे लोगों से परे सुदूर गांवों के गरीबों तक भी पहुंचेगी, जो अभी इस अभियान के केंद्र में नहीं हैं। इसकी उम्मीद दिख भी रही है, क्योंकि भूमंडलीकरण के इस दौर में कई मसलों पर परस्पर विरोधी वैचारिक समूहों का स्वर एक-सा है।

सांप्रदायिक जुनून को रोका

जाति अथवा धर्म पर ध्यान दिए बिना, देश या राज्य का अस्तित्व सभी के लिए होना चाहिए।' फिर भी जब जवाहरलाल नेहरू की सेक्युलर सोच से तुलना के समय लोग सरदार पटेल की मुस्लिम-विरोधी छवि विरूपित करते हैं तो इतिहास-बोध से अपनी अनभिज्ञता वे दर्शाते हैं, अथवा सोच-समझकर अपनी दृष्टि ऐंची करते हैं। स्वभावत: पटेल में किसानमार्का अक्खड़पन था। बेबाकी उनकी फितरत रही। लखनऊ की एक आम सभा (6 जनवरी 1948) में पटेल ने कहा था, ``भारतीय मुसलमानों को सोचना होगा कि अब वे दो घोड़ों पर सवारी नहीं कर सकते।' इसे भारत में रह गए मुसलमानों ने हिन्दुओं द्वारा ऐलान-ए-जंग कहा था। पटेल की इस उक्ति की भौगोलिक पृष्ठभूमि रही थी। अवध के अधिकांश मुसलमान जिन्ना के पाकिस्तानी आंदोलन के हरावल दस्ते में रहे। उनके पुरोधा थे चौधरी खलिकुज्जमां।

सतीश पेडणोकर

हकीकत थी 1947 के इतिहास की। इस्लामी पाकिस्तान के बनते ही यदि खंडित भारत एक हिन्दू राष्ट्र घोषित हो जाता, तो उन्माद के उस दौर में शायद ही कोई उसका सबल विरोध कर पाता। मगर सरदार वल्लभभाई झवेरदास पटेल ने इसका पुरजोर प्रतिरोध किया। सांप्रदायिक जुनून को रोका। भारत पंथनिरपेक्ष रहा। आजादी के ठीक दो महीने दस दिन पूर्व (5 जून 1947) बी.एम.बिड़ला ने सरदार पटेल को लिखा था : ''क्या अब सोचने का यह समय नहीं आ गया है कि भारत को हिन्दू राज्य और राज्यधर्म के रूप में हिन्दुत्व पर विचार करें?' (सरदार पटेल : मुसलमान और शरणार्थी'', स्व.पी.एन. चोपड़ा और डा.प्रभा चोपड़ा, प्रभात प्रकाशन, : 2006)। पढ़कर सरदार पटेल आक्रोशित हुए और जवाब में लिखा, ''मैं यह नहीं सोचता कि हिन्दुस्तान के राजधर्म के रूप में हिन्दुत्व और एक हिन्दुत्ववादी देश जैसा देखना संभव होगा। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि ऐसे भी अन्य अल्पसंख्यक वर्ग हैं, जिनकी रक्षा हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। जाति अथवा धर्म पर ध्यान दिए बिना, देश या राज्य का अस्तित्व सभी के लिए होना चाहिए।' फिर भी जब जवाहरलाल नेहरू की सेक्युलर सोच से तुलना के समय लोग सरदार पटेल की मुस्लिम-विरोधी छवि विरूपित करते हैं तो इतिहास-बोध से अपनी अनभिज्ञता वे दर्शाते हैं, अथवा सोच-समझकर अपनी दृष्टि ऐंची करते हैं। स्वभावत: पटेल में किसानमार्का अक्खड़पन था। बेबाकी उनकी फितरत रही।

लखनऊ की एक आम सभा (6 जनवरी 1948) में पटेल ने कहा था, ''भारतीय मुसलमानों को सोचना होगा कि अब वे दो घोड़ों पर सवारी नहीं कर सकते।' इसे भारत में रह गए मुसलमानों ने हिन्दुओं द्वारा ऐलान-ए-जंग कहा था। पटेल की इस उक्ति की भौगोलिक पृष्ठभूमि रही थी। अवध के अधिकांश मुसलमान जिन्ना के पाकिस्तानी आंदोलन के हरावल दस्ते में रहे। उनके पुरोधा थे चौधरी खलिकुज्जमां। मुसलमानों की बाबत पटेल के कड़वे मगर स्पष्टवादी उद्गार का अनुमान इस तय से भी लगाया जा सकता है कि अनन्य गांधीवादी होने के बावजूद वे सियासत और मजहब के घालमेल के कट्टर विरोधी थे। उनके निधन के दो वर्ष बाद से भारत में संसदीय और विधान मंडलीय प्रत्यक्ष मतदान पद्धाली शुरू हुई थी। तभी से सोच पर वोट का असर हो चला था। अत: जवाहरलाल नेहरू के लिए तुष्टिकरण एक चुनावी विवशता और सियासी अपरिहार्यता बन गई थी। मुसलमानों के प्रति अनुराग, उनकी खैरख्वाही सरदार पटेल में 1931 से ही बढ़ी थी, जब वे राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन के सभापति निर्वाचित हुए थे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में पटेल ने संकल्प किया था कि स्वाधीन भारत के संविधान का आधार समस्त समुदायों की समता पर होगा। हर अल्पसंख्यक के लिए कानूनी सुरक्षाएं समाहित होंगी। सीमान्त गांधी खान अब्दुल गफ्फार खान, जिन्हें पटेल आदर्श मुसलमान मानते थे, ने पटेल की घोषणा की प्रशंसा की थी। पटेल ने सार्वजनिक मंच से तब कहा कि वे कोरे कागज पर अपनी स्वीकृति लिख देंगे कि जो भी कानूनी गारंटी आजाद हिन्द में मुसलमान चाहते हैं, उन्हें कांग्रेस सरकार पूरा करेगी। मंदिर-मजार का उल्लेख बहुधा होता रहता है ताकि राजनयिक की पंथनिरपेक्ष सोच सिद्ध होती रहे। इस बिन्दु पर पटेल को कोई लाग-लपेट नहीं रही। वे अहमदाबाद म्युनिसिपल बोर्ड के अध्यक्ष (1917-1922) रहे। विकासोन्मुखी नगर की सड़कों की फुटपाथें तब मंदिरों से पटी थीं। पटेल ने खुद खड़े होकर तुड़वाए। ये पूजास्थल बिना नक्शा पास कराए, सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण द्वारा निर्मित हुए थे। पटेल को हिन्दूपरस्त करार देने वाले विभाजन के वक्त दंगाग्रस्त दिल्ली में गृहमंत्री पटेल की भूमिका का खासकर उल्लेख करते हैं। तब पटेल से बढ़कर शायद ही कोई मुसलमानों की हिफाजत का इतना बड़ा अलमबरदार रहा हो। दिल्ली के प्रथम चीफ कमिश्नर के पद पर पटेल ने मुसलमान प्रासनिक अधिकारी को नियुक्त किया। उच्च न्यायालय (मद्रास) में बशीर अहमद को भेजा हालांकि प्रधान न्यायाधीश कानिया ने इसका विरोध किया था। उन्हीं दिनों उमरी बैंक को हिन्दू दंगाइयों ने लूटने की कोशिश की। इसमें अधिकतर मुसलिम जमाकर्ताओं की पूंजी लगी थी।

पटेल ने विशेष टुकड़ी तैनात की थी। बैंक बचा रहा। नेहरू के बजाय पटेल, जेपी के आकलन में, योग्यतर प्रधानमंत्री होते। इन सोशलिस्टों द्वारा हिन्दूवादी होने के मियारोप के बावजूद, पटेल ने हिन्दू महासभा को दंडित किया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को इतिहास में पहली बार (2 फरवरी 1948) प्रतिबंधित किया। उन्होंने सरसंघचालक गुरु माधव गोलवालकर को चेतावनी (11 सितम्बर 1948) दी कि उनका संगठन हिन्दुओं का संरक्षक है, मगर उसे मुसलमानों पर आक्रमण करने का हक नहीं है। मुसलमानों से हार्दिक सरोकार रखने वाले पटेल का नायाब उदाहरण मिलता है, जब 30 जनवरी 1948 को सूचना व प्रसारण मंत्री के नाते पटेल ने आकाशवाणी से बार-बार घोषणा कराई की बापू का हत्यारा हिन्दू था। पुणो का चितपावन विप्र नाथूराम गोड्से हिन्दू महासभा का सक्रिय सदस्य था। यदि पटेल हिन्दू हत्यारे का नाम घोषित न कराते, तो मुसलमानों की वही दुर्दशा होती, जो इंदिरा गांधी की सरदार बेअन्त सिंह द्वारा हत्या के बाद सिख समुदाय की हुई। पटेल को हिन्दू संप्रदायवादी बताने वाले तथाकथित पंथनिरपेक्षी जन उनके गृह राज्य गुजरात के अरब सागर तट पर स्थित प्राचीन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के मंदिर के पुनर्निर्माण का उदाहरण पेश करते हैं। हालांकि सोमनाथ और अयोध्या को अपने रथ (1990) से जोड़कर भाजपाई लालचन्द किशनचन्द आडवाणी ने सरदार पटेल के उन्नत राष्ट्रभक्ति को हलका बनाने की कोशिश की थी। आडवाणी द्वारा सोमनाथ का इस्तेमाल करना खालिस तौर पर राजनीतिक विद्रूपता थी। सोमनाथ का पुनर्निर्माण सरदार पटेल की दृष्टि में भारतीय सार्वभौमिकता, राष्ट्रीय गौरव, देश के प्रति निष्ठा, इतिहास में हुए अन्याय का खात्मा करना और हिन्दू आस्था को पुनर्प्रतिष्ठापित करना था। ऑस्ट्रियन राजनयिक क्लेमेन्स मेटर्निख ने कहा था कि जो लोग इतिहास बनाते हैं, उन्हें स्वयं इतिहास लिखने की फुर्सत नहीं मिलती। मगर पटेल ने समय की शिला पर सोमनाथ के नाम को अंकित कर दिखा दिया कि देश की तारीखों में पतन-अभ्युदय का क्रम तो चलता रहता है, मगर गिरकर भी जो न उठे वह निर्वीर्य, कापुरु ष होता है। पुनर्निर्मित मंदिर भारत के पराक्रम का प्रतिरूप है। युगों की दासता से उन्मुक्त हुए नवजाग्रत राष्ट्र के शौर्य का प्रतीक है। सेक्युलर राष्ट्रवाद की पटेलवादी अवधारणा का प्रद्योत है, परिचायक है।

चलते चलते

योग दिवस

योग को लकेर नियंतण्र जिज्ञासा बढ़ी है। जिज्ञासा के साथ योग को सीखने-सिखाने का दायरा और मांग दोनों में बढ़ोत्तरी हुई। देश में योग को सीखने-सिखाने का कोई बहुत ज्यादा विस्तृत प्रारूप नहीं रहा है। ज्यादातर लोग योग सूत्र को प्रतिपादित करने वाले महर्षि पतंजलि का अनुसरण करते हैं। बाद के समय में कई योग गुरु अपने विवेक से कुछ आसन

साल पहले संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रतिवर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए की घोषणा के बाद से योग को लकेर नियंतण्र जिज्ञासा बढ़ी है। जिज्ञासा के साथ योग को सीखने-सिखाने का दायरा और मांग दोनों में बढ़ोत्तरी हुई। देश में योग को सीखने-सिखाने का कोई बहुत ज्यादा विस्तृत प्रारूप नहीं रहा है। ज्यादातर लोग योग सूत्र को प्रतिपादित करने वाले महर्षि पतंजलि का अनुसरण करते हैं। बाद के समय में कई योग गुरु अपने विवेक से कुछ आसन और प्राणायाम के नये प्रारूप लेकर सामने आए। कुछ धार्मिक आध्यात्मिक संस्थाएं अपने स्तर पर योग विद्या को प्रचारित प्रसारित करती रही हैं। मगर अन्य क्षेत्रों की तरह योग में कोई राष्ट्रीय स्तर की नियामक संस्था नहीं रही, जिससे ''नीम-हकीम' अच्छी संख्या में बाजार में कूदने-फांदने लगे। योग में कुछ आसन सही तरीके से न किए जाएं तो नुकसान भी हो सकता है। इस साल जनवरी में केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने ''योगा सर्टीफिकेशन बोर्ड' का गठन किया था, जिसे योग संस्थानों और योग पेशेवरों के प्रमाणन की जिम्मेदारी का काम दिया गया। एक बेहतर चुनाव के तहत प्रख्यात योग गुरु बाबा रामदेव की अध्यक्षता में एक 21 सदस्यीय समिति का गठन भी कर दिया गया है, जो इस काम को करेगी। इसके अलावा श्री श्री रविशंकर की अध्यक्षता में एक तकनीकी कमेटी का गठन भी किया गया है, जो योग संस्थानों की अकादमिक, तकनीकी और मान्यता संबधी दिशा-निर्देशों को तय करेगी। यह मंत्रालय की सराहनीय और पेशेवर पहल है। इस कदम से निश्चित तौर पर योग का प्रशिक्षण व्यवस्थित होगा। आज दुनियाभर की सरकारों के लिए जनता को स्वास्थ बनाए रखना बड़ी चुनौती है। आम आदमी के आय का बड़ा हिस्सा स्वास्य पर खर्च हो जाता है। सही योग की आदत इसमें कमी ला सकती है। दुनिया को भेंट भारत की अनुपम विधा ''योग' जितना ज्यादा फले-फूलेगी, इससे भारत की सनातन संस्कृति का मान तो बढ़ेगा ही; साथ-साथ कई भारत और भारतीयों के लिए संभावनाओं के द्वार भी खुलेंगे।

रिसर्च एंड एनालिसिस विंग

राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना ने मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाकर अपनी हत्या की भारत द्वारा कथित ''साजिश' का पहले खुलासा किया और इस मीडिया खबरों का बार-बार खंडन किया। फिर अपने प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को भारत के दौरे पर भेजा। लेकिन मामला यहीं खतम नहीं हुआ। श्रीलंका सरकार रचित इस सियासी तमाशा और उससे जुड़े पेचों से कुछ अन्य षड्यंत्रों के तार परत-दर-परत खुल रहे हैं। श्रीलंका के सत्तारुढ़ और विपक्षी दोनों ही राजनयिकों की मिलीभगत से सोची-समझी सुनियोजित कूटनीति के तहत यह विवाद खड़ा किया प्रतीत होता है। जितनी बातें सामने आ रही हैं, सबका ओर-छोर संदेह पैदा करने वाला है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने मंत्रिमंडल की बैठक में गत हफ्ते एम. थॉमस नामक एक भारतीय के हवाले से बताया कि भारत की एलीट खुफिया एजेंसी ''रॉ' (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) उनकी हत्या करना चाहता है। राष्ट्रपति के अनुसार उस भारतीय ने ''रॉ' की इस साजिश की जानकारी होने का दावा किया। यह खबर स्वाभाविक रूप से श्रीलंका के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सुर्खियां बनी। जब पूरी तरह उछल गई, तब श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके इन मीडिया रिपोटरे को ''गलत' बताया। उतना ही नहीं, मैत्रीपाला सिरिसेना खुद और उनके राष्ट्रपति भवन कार्यालय ने बार-बार इस पर सफाई और स्पष्टीकरण दिया। 17 अक्टूबर को श्रीलंका के राष्ट्रपति सिरिसेना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके ''सफाई' दी और उसके तुरंत बाद श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे नई दिल्ली पहुंच गए। विक्रमसिंघे तीन दिन भारत में रहे। श्रीलंका में भारत के सहयोग से चल रही इन्फ्रा परियोजनाओं को फोकस में रखा गया। लेकिन जो चर्चा हॉट थी, उस पर दोनों देशों के नेताओं की चर्चा हुई या नहीं, इस पर संशय बरकरार रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने श्रीलंकाई काउंटरपार्ट के सम्मान में भोज दिया। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, गृह मंत्री राजनाथ सिंह, संयुक्त प्रगतिशील गठजोड़ की चेयरपर्सन सोनिया गांधी समेत कई नेता श्रीलंकाई प्रधानमंत्री से मिले। मुलाकातों के बारे में सिर्फइतनी ही सूचना बाहर आई कि दोनों देशों के आपसी सहयोग और रिश्ते पर बातचीत हुई। भारत-श्रीलंका रिश्ता नाजुक मोड़ पर है और इसका एक कारण है, चीन से श्रीलंका की नजदीकी और दूसरा है, तमिलनाडु। श्रीलंका के प्रधानमंत्री तो स्वदेश लौट गए, मगर श्रीलंका से ज्यादा भारत में चर्चा बनी। बकौल सिरिसेना ''फर्जी' यह खबर कुछ और खुलासे लाई। खबर भारत की है पर तार श्रीलंका से जुड़ा है। जिस भारतीय एम थॉमस के हवाले से श्रीलंका के राष्ट्रपति ने अपनी हत्या की ''साजिश' का प्रचार किया, वह श्रीलंका के ही जेल में है। गिरफ्तारी से एक सप्ताह पहले थॉमस से बात हुई और उसने कहा- ''मेरी जान को खतरा है।' यह बात भी थॉमस के भाई ने ही बताई, जो चेन्नई से आकर मुंबई में रहता है और चेन्नई में इसके काफी संपर्क हैं। थॉमस के भाई के मुताबिक 1997 में एक दुर्घटना में उसके सिर में भारी चोट लगी और उसी समय से वो मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गया, उसे जेल की नहीं, इलाज की जरूरत है। 23 सितम्बर से जेल में बंद श्रीलंका सरकार द्वारा पहचाने गए थॉमस के भाई का यह कथन अगर सही है तो श्रीलंकाई अधिकारियों को एक महीना में कैसे नहीं पता चला कि थॉमस मानसिक रूप से बीमार है? अगर पता चल गया तो एक विक्षिप्त के हवाले से राष्ट्रपति ने इतना हंगामा कैसे खड़ा कर दिया?

सत्संग

जुड़ाव अचेतन

आप जुड़ने में भेदभाव करते हैं, तो यह उलझन बन जाता है। आप बिना किसी भेदभाव के जुड़ें। आप जिस धरती पर चलते हैं, आप जो भोजन करते हैं, आप जो पानी पीते हैं, आप जिस हवा में सांस लेते हैं और उस स्थान में जहां आप रहते हैं, कोशिश कीजिए कि आप इन सारी चीजों से पूरी तरह जुड़ सकें। हालांकि इन चीजों से तो आप अभी भी जुड़े हुए हैं, लेकिन फिलहाल आपका यह जुड़ाव अचेतन है। अगर आप उस हवा से जुड़ाव नहीं रखेंगे, जिसमें आप सांस लेते हैं तो आप मर जाएंगे। आपको बस जुड़ाव को लेकर सचेतन होना है। अगर आप किसी चीज से अचेतन रूप से जुड़ते हैं तो यह एक बड़ा बोझ लगता है। लेकिन अगर आप सचेतन रूप से किसी चीज से जुड़े हुए हैं, तो यही अनुभव एक आनंदमय अनुभव बन जाता है। आज हमारे पास वैज्ञानिक प्रमाण है कि आपके शरीर के परमाणु का हर कण इस पूरे ब्रह्मांड के साथ संपर्क बनाए हुए हैं। इसे नजरअंदाज करके आप उस विशाल शक्ति को अनदेखा करने की कोशिश कर रहे हैं, जो आपके जीवन और इस सृष्टि का आधार है। अपने परिवार से जुड़ना, आपकी पीड़ा का कारण नहीं है, बल्कि आपकी पीड़ा का कारण जीवन को अनदेखा करना है। जीवन का अनुभव केवल जीवन से जुड़कर ही किया सकता है। जितनी मजबूती से आप जीवन से जुड़ेंगे, जीवन को लेकर होने वाले अनुभव भी उतने ही प्रबल होंगे। अपने जुड़ाव को लेकर आपके भीतर डर इसलिए आया, क्योंकि पिछली बार आपका जुड़ाव जहां हुआ था, वहां से आपको चोट मिली। इसलिए अब आपके भीतर विरक्ति है। अगर आप खुद को जीवन से अलग करना चाहते हैं, तो आप अपने सर में गोली मार सकते हैं। यह सचमुच आपको जीवन से अलग कर देगा। आप यहां जीवन का अनुभव करने के लिए आए हैं या फिर उसको अनदेखा करने के लिए? सबसे पहले हम यही तय करते हैं। आप जीवन में रहना भी चाहते हैं, और उससे दूरी भी चाहते हैं। आज लोगों के साथ यही हो रहा है। फिलहाल जीवन को लेकर आपके अनुभव भौतिक स्तर तक सीमित है, जो कि फिलहाल आप हैं। इस समूचे ब्रह्मांड में आपकी हैसियत क्या है? हो सकता है कि आप अपने घर में कुछ महत्त्वपूर्ण हों, लेकिन अपने मोहल्ले में आप ज्यादा महत्त्वपूर्ण नहीं होंगे और अपने शहर में तो आप कुछ भी नहीं हैं।

फोटोग्राफी...

दीमापुर (नगालैंड) में बृहस्पतिवार को क्राइस्ट काउंसिल ऑफ नगालिम चर्चेज में प्रार्थना करतीं एनएससीएम-आईएस की एक सदस्य।

सदा सुहागन, सर्व सुहागन

कार्तिक माह की चतुर्थी को महिलाओं द्वारा करवा चौथ का व्रत किया जाता है। करवा का अर्थ होता है, मिट्टी का जलपात्र। इस दिन करवा की पूजा कर चंद्रमा को अर्घ्य देने का महत्व है। इसीलिए यह व्रत करवा चौथ नाम से मशहूर है। सुहागिनें अपने पति की दीर्घायु, उनकी मंगलकामना और अखंड सौभाग्यकी कामना से यह व्रत करती हैं। पूरे दिन उपवास रखा जाता है। रात्रि को जब आकाश में चंद्रमा का उदय होता है, तब महिलाएं सोलह शृंगारों से शृंगारित होती हैं। चंद्रमा को अर्घ्य देने के साथ ही उसे छलनी से देखा जाता है। पति के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। ऐसी मान्या है कि इस व्रत को करने से महिलाएं अखंड सौभाग्यती होती हैं, पति दीर्घायु होते हैं। सच तो यह है कि यह व्रत पति के प्रति
समान भाव को प्रकट करने का प्रतीक है। पतिपत्नी दोनों एक गाड़ी के दो पहियों की तरह होते हैं। दोनों एक समान, एक दिशा में चलते हैं, तो जिस तरह गाड़ी आगे की ओर बढ़ती है, उसी तरह

चंद्रमा की पूजा क्यों?

करवा चौथ के दिन चंद्रमा की पूजा का धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों ही दृष्टि से महत्व है। छांदोग्य उपनिषद (चौथा प्रपाठक बारहवां खंड) में कहा गया है कि जो चंद्रमा में पुरुषरूपी ब्रह्मा की उपासना करता है, उसके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं, किसी प्रकार का कष्ट जीवन में नहीं होता। उसे लंबी और पूर्ण आयु प्राप्त होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से चंद्रमा मन का देवता है। अर्थात चंद्रमा मन की चंचलता को नियंत्रित करता है। चंद्रमा को पराशक्ति का प्रतीक भी माना जाता है। चंद्रमा की प्रसन्नता से मन में शुभ विचार उत्पन्न होते हैं। शुभ विचार ही अच्छे कर्म के कारक होते हैं। बड़ों के प्रति आदर भाव जैसे अच्छे विचार चंद्रमा की प्रसन्नता से ही आते हैं। यही कारण है कि इस दिन चंद्रमा की पूजा की जाती है।

श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को बताया था व्रत

ऐसा कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को यह व्रत बताया था। वनवास के दौरान पांच पांडवों में से एक अर्जुन तप करने के लिए इंद्रनील पर्वत पर चले गए। बहुत दिन बीत जाने के बाद भी जब अर्जुन नहीं लौटे, तो द्रोपदी को चिंता हुई। श्रीकृष्ण ने उन्हें चिंतित देखा, तो फौरन समझ गए। द्रोपदी से कारण पूछा, तो उन्होंने यह चिंता उनके समक्ष प्रकट कर दी। कहते हैं, श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को करवा चौथ व्रत करने का उपाय बताया। व्रत का फल मिला, अर्जुन सकुशल पर्वत पर तपस्या पूरी कर लौट आए।

शिव-पार्वती की पूजा

करवाचौथ के दिन भगवान शिव और पार्वती की पूजा का भी विधान है। कारण पार्वती ने कठिन तपस्या कर भगवान शंकर को प्राप्त कर अखंड सौभाग्य प्राप्त किया था। अत: उनकी पूजा की जाती है, उनकी तपस्या का स्मरण किया जाता है, ताकि पति के प्रति अनन्य निष्ठा का भाव प्रबल हो सके।

क्या करें

इस दिन ब्रह्ममुहूर्त में उठें। स्नान के बाद करवा की पूजा-आराधना करें। भगवान शिव और पार्वती की भी पूजा करें। संकल्प लें कि बड़ों का समान करूंगी। पति के प्रति समर्पण भाव से रहूंगी। हर व्यक्ति से ग़लती होती है। अत: गृहस्थी की ज़ि म्मेदारियों को निभाते हुए ग़लतियां होना स्वाभाविक है।

हमारे शास्त्रों में भी कहा गया है कि अपनी ग़लती, दोषों को सुधार लेना ही महानता का लक्षण है। अपने दोषों का स्मरण कर पति के चरणस्पर्श इसी भाव के साथ करें कि इस साल ये ग़लतियां फिर न होंगी। सास, ससुर और पति आदि के चरणस्पर्श इसी भाव का प्रकटीकरण है।

करवा चौथ का व्रत सुहागनों का व्रत है। शास्त्रों में इस व्रत की बहुत महिमा गाई गई है। कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चौथ को किया जाने वाला यह व्रत सुहाग की मंगलकामना के लिए किया जाता है...

कार्तिक के कृष्ण पक्ष की चौथ को करवा चौथ पूरे भारत में मनाया जाता है। करवा चौथ नारियों का पर्व है। इस व्रत को सौभाग्यवती स्त्रियां करती हैं। इस व्रत में गौरी-गणेश की पूजा की जाती है। कार्तिकेय तथा चंद्रमा को भी पूजा जाता है। शाम को चंद्रमा को अर्घ्य दिया जाता है। शाम को मन के देवता चंद्रमा के दर्शन कर, अर्घ्य देकर तथा अपने पति की लंबी उम्र की कामना करके ही व्रत को खोला जाता है। शाम को पूजन के समय करवा व्रत कथा कहने का विधान है। बायना निकालकर सासू जी को देकर उनसे आशीर्वाद लिया जाता है। सुहाग की सभी वस्तुओं का पूजन किया जाता है। सुहाग की मंगलकामना के लिए किया जाने वाला यह व्रत श्रेष्ठ माना जाता है।

कथा- एक साहूकार के सात पुत्र और एक पुत्री थी। सातों भाई-बहन एक साथ बैठकर भोजन करते थे।एक बार सभी भाभिओ सहित बेटी ने भी करवा चौथ का व्रत रखा। भाइयों से अपनी बहन को भूखी- प्यासी देखा नहीं गया। उन्होंने उसे भोजन करने का आग्रह किया। परंतु बहन ने कहा कि अभी चांद नहीं निकला। चांद निकलने पर अर्घ्य देकर ही भोजन करूंगी। बहन की बात सुनकर भाइयों ने नगर के बाहर आकर अग्नि जलाई और छननी लेकर उसमें से प्रकाश दिखाते हुए बहन से कहा कि चांद निकल आया है। अर्घ्य देकर भोजन कर लो। उसने अपनी भाभिओ से भी अर्घ्य देने को कहा। भाभिओ ने उसे समझाया कि अभी हमारा चांद नहीं निकला है। बहन ने भाइयों की बात मानकर अर्घ्य देकर व्रत खोल लिया। इस तरह करने से चौथ मां उस पर अप्रसंन हो गईं। उसका पति बीमार हो गया। ससुराल से संदेश आया कि उसका पति बीमार है। वह ससुराल पहुंची। दरवाज़े पर उसे ननद मिली, उसने उसे सौभाग्यवती होने का अर्शीवाद दिया। घर पहुंचकर उसने देखा कि उसका पति मरा पड़ा है। उसने अपने पति की लाश को रेती में रखवा दिया। स्वयं भी वहीं रहने लगी। अगले माह की चौथ पर जब वह मां के पैर छूने लगी, तो उन्होंने उसे ग्यारहवें महीने की चौथ को चौथ मां से अपना सुहाग मांगने के लिए कहा। ग्यारह महीने उसने चौथ मां का पूजन करते हुए गुज़ारे। जब उसने विधिविधान से कार्तिक के कृष्ण पक्ष की चौथ को करवा चौथ का व्रत रखा, तो चौथ मां को उस पर दया आ गई तथा उसके पति को जीवित कर दिया। यह सब देख कर सभी बहुत प्रसंन हुए और कहा, 'हे मां जैसे उसका सुहाग लौटाया वैसे सभी के सुहाग की रक्षा करना।

कार्तिक माह का महात्मय

कहते हैं कार्तिक मास का महात्म स्वयं ब्रह्मा जी ने अपने श्रीमुख से बताया था। जितने धार्मिक कार्य कार्तिक में होते हैं, उतने और किसी मास में नहीं होते। शरद ऋतु के आगमन से ही वातावरण में चारों ओर उल्लास छाया होता है। शरद पूर्णिमा से आरंभ होकर त्रिपुरी पूर्णिमा तक चलने वाले कार्तिक मास में राई- दामोदर (राधा-कृष्ण) की पूजा की जाती है। तुलसी के वृक्ष का सींचन किया जाता है। तड़के तारों की छांव में स्नान कर अपने आराध्य देव को शांत वातावरण में पुकारा जाता है तथा उसकी निकटता तथा दया का आभास किया जाता है। गंगा तथा यमुना में स्नान का भी विशेष महत्व माना जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से भी इस माह का महत्व है। तुलसी के पौधे में इस माह में होने वाली बीमारियों को दूर करने के गुण होते हैं, इसी लिए इस माह तुलसी की पूजा करने का विधान शास्त्रों में किया गया है।

कार्तिक स्नान करे कल्याण

सूर्य पृथ्वी की परिक्रमा करते विभिन्न राशियों में भ्रमण करते हैं। सूर्य जब तुला राशि में प्रवेश करते हैं, तो उसे कार्तिक सक्रांति कहते हैं। ज्योतिष शास्त्रों में कार्तिक माह की सक्रांति का विशेष महत्व बताया गया है...

महराज सूर्य जब राशि परिवर्तन करते हैं, तो ज्योतिषीय गणना में उस काल को सक्रांति कहते है। बारह राशियों पर सूर्य एक-एक माह भ्रमण करते हैं। अत: एक सौरवर्ष में बारह बार सक्रांति आती है। जब सूर्य कन्या से अपनी नीच तुला राशि में प्रवेश करते हैं, तो उसे कार्तिक सक्रांति कहते है। बारह सक्रांतियों में से कार्तिक का विशेष महत्व है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस दिन सूर्य के अपनी नीच राशि पर आ जाने से पृथ्वी का वातावरण संवेदनशील बनने लगता है, जिससे रोग उत्पन्न होते हैं। सूर्य संक्रांति के प्रभाव से उत्पन्न इन कुप्रभावों से बचाव के लिए सारे कार्तिक मास में पवित्र नदियों जैसे गंगा, यमुना, इलाहाबाद का संगम स्थल, कुरुक्षेत्र आदि में प्रात:काल स्नान किया जाता है।

स्नान उपरांत सदाचारी रहते हुए, जप, तप व अनुष्ठान किए जाते हैं, ताकि शारीरिक उर्जा बढ़े व रोगों से लड़ने की क्षमता का विकास हो। स्वस्थ व्यक्ति ही मौलिक व आलोकिक प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकता है। बीमार व क्षीणकाय या पैसा कमाएगा और या देवसाधना करेगा।

अत: कार्तिक स्नान संन्यासी व गृहस्थी, दोनों के लिए अनिवार्य कहे गए हैं। स्नान उपरांत किए गए अनुष्ठान व प्रयास शीघ्र सफलता प्रदान करते हैं। श्रद्धा व विधिवत् किए गए तप इस समय के दौरान शीघ्र व कई गुणा फल प्रदान करते हैं।

रोग नाशक संजीवनी प्रयोग- गंभीर बीमारीयों से छुटकारा चाहते हैं, तो प्रात:काल स्नान करके भगवान भोले नाथ की मूर्ति अथवा प्रतिमा को थोड़े ऊंचे स्थान पर स्वच्छ कपड़ा बिछाकर स्थापित करें। शिव के साथ शक्ति का पूजन आवश्यक है। अत: मां पार्वति सहित प्रथम पूज्यगणेश जी का भी चित्र स्थापित करें। गंगा जल से प्रतिमाओं को स्नान करवाएं व अपने आस-पास भी जल छिड़कें। आसन को शुद्ध कर पद्मासन में बैठें। भगवान शिव के आगे एक देसी घी का दीपक जलाकर रखें। गले में पुष्प मालाएं पहनाकर धूप-दीप दिखाएं। भगवान शिव की प्रिय वस्तुएं विल्वपत्री, आक, धतुरा, भांग आदि अर्पित करें। मीठे का प्रसाद अवश्य चढ़ाएं। जाप करें। अमुक के स्थान पर रोगी का नाम बोलें। भगवान भोलेनाथ का यह मृतसंजीवनी मंत्र दुर्लभ है तथा मृत्यु के मुख में गए व्यक्ति को भी बचाने की क्षमता रखता है— ॐ नमों भगवति मृतसंजीवनी अमुक शांति कुरु-कुरु स्वाहा।।

जप के बाद दशमाश होम भी अवश्य करना चाहिए, तभी पूर्ण फल प्राप्त होता है।

हृदय रोग से बचाव- कार्तिक मास में सर्वाधिक हार्ट अटैक होते हैं। इसका कारण यह है कि इस समय सूर्य नीच राशि में होते हैं। ऐसा होना दुष्प्रभावी है। यदि कोई इस मृत्युदायनी महामारी से पीड़ित है, तो आदित्य हृदय स्तोत्र का जाप, स्नान सूर्योदय के समय करें। इससे हृदय को बल मिलता है तथा शारीरिक कार्यक्षमता का विकास होता है।

सफलता के लिए- सूर्य सरकारी सेवा के कारक हैं। कोर्ट-कचहरी, मान-स मान, प्रसिद्धि, राजनीति में सफलता, सरकारी टैंडर, पिता से सहयोग सहित हड्डियों पर सूर्यदेव का ही शासन है। सूर्य कार्तिक संक्रांति प्रभाव से सूर्य कभी-कभी उपरोत कार्यों में रुकावट डालते हैं। सफलता प्राप्ति के लिए सूर्य के जपनीय बीजमंन्त्रो का स्मरण कार्तिक संक्राति से प्रारंभ कर पूरे मास तक करते रहना चाहिए। इससे सूर्य प्रदत दोष शांत होकर सौभाग्य व समृद्धि की प्राह्मिश्वत होती है। ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं स: सूर्याय नम: ।।

उधना से 2 लाख 54 हजार रुपए के नकली नोट के साथ दो गिरफ्तार

सूरत। शुक्रवार को पुलिस को सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर उधना विस्तार में नकली नोट का व्यापार कर रहे दो आरोपियों को पकड़ा। मिली जानकारी के अनुसार बिपीनभाई पागाभाई परमार (22) गुदीकोडीयाक ता. धोंधा, जिला. भावनगर और किशनभाई भीखाभाई सोलंकी (20) गुदीकोडीयाक ता. धोंधा, जिला. भावनगर के रहने वाले है। इन दोनों के पास से पुलिस ने कुल 127 नोट 2000 रुपए के नोटों के साथ कुल 2 लाख 54 रुपए के नकली नोट बरामद किए। पुलिस नो दोनों आरोपियों को पकड़ कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस इन दोनों से पुछताछ कर नकली नोटों को बनाने वाली फैक्ट्री और इनके अलावा और कौन-कौन नकली नोटों का धंधा कर रहा है इसकी जानकारी जुटाने में जुटी है।

गाड़ी की डिक्की से 3 लाख की चोरी

सूरत। कापोद्रा इलाके में छात्र की एक्टिवा मोपेड की डिकी से अज्ञात श स नकदी 3 लाख रूपए चोरी कर फरार हो गया। घटना की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज करवायी गई है। कापोद्रा के मातृछाया सोसायटी निवासी विनुं मांगरोलिया ने गत रोज दोपहर चार बजे अपने पुत्र वर्षीध को वराछा को. ऑपरेटिव बैंक से 3 लाख रूपए निकालने के लिए भेजा था। वर्षीध ने बैंक से पैसे निकालकर अपनी एक्टिवा मोपेड की डिकी में रखकर अपने दोस्त के साथ घर जा रहा था। इस दौरान लक्ष्मणनगर के पास खोडियारनगर सोसायटी में स्थित सहजानंद डेरी में शरद पूर्णिमा के दिन दूध और आईस्क्रीम की खरीदी की थी। जिसके बाकी के 700 रूपए देने के लिए डेरी में गया था। तभी अज्ञात श स ने मौका का लाभ उठाते हुए एक्टिवा की डिकी से 3 लाख रूपए की चोरी कर फरार हो गया।

सूरत। पार्ले प्वाइंट इलाके के गोकुल रो-हॉउस में सोसायटी की महिलाओं ने प्री करवा चौथ कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओ ने सांस्कृतिक, गेम्स व डान्स का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान सन्धया गोयल, रेनू, शिल्पी, मिर्नदया, सुनीता जालान सहित सोसायटी की अन्य महिलाएं थी।

व्यापारी को माल के रूपए नहीं चुकाकर की धोखाधड़ी

सूरत। शहर के रिंगरोड कपड़ा मार्केट में व्यापारी के पास से कलकत्ता के व्यापारी ने माल खरीदी कर तय सीमा में रूपए नहीं चुकाकर धोखाधड़ी की। घटना की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज करवायी गई है।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों के अनुसार पार्ले प्वॉइन्ट स्थित आर्जी एपार्टमेन्ट निवासी पवनकुमार रामकुमार अग्रवाल साड़ी का व्यवसाय करते हैं और रिंग रोड की गुडलक टेक्सटाइल मार्केट में दुकान हैं।

व्यापारी ने लगाया लाखों का चूना

सूरत। एम्ब्रोइडरी जॉब करवाने के बाद पेमेन्ट नहीं व्यापारी ने 8.74 लाख का पेमेंट नहीं चुकाकर धोखाधड़ी की।

पुणा पुलिस सूत्रों के अनुसार लिंबायत गोडादरा केशवपार्क सोसायटी निवासी गेनाराम पांचुराम चौधरी का सूरत कडोदरा रोड पर स्थित भवानी इण्डस्ट्रीयल सोसायटी में बालाजी क्रिएशन के नाम से ए ब्रॉयडरी कारखाना है। उनके पास से दिस बर 2017 में रिंग रोड युनिवर्सल मार्केट में श्री हरि टेक्सफैब के फर्म से और कुंभारियागाम संगिनी टेक्सटाइल मार्केट में वरूणांतिका फैब्रिक्स के नाम से व्यवसाय करनेवाले बलदेव लक्ष्मीचंद स्वामी और प्रवीण चंपकलाल वैष्णव द्वारा साड़ी पर ए ब्रॉयडरी जॉबवर्क करवाया। जिसकी मजदूरी के 8,74,242 रूपए नहीं चुकाकर धोखाधड़ी की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

सूरत। अखंड भारत के शिल्पी और लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्मजयंति तथा स्टेच्यु ऑफ युनिटी के लोकापर्ण 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी के हाथों होगा इससे पहले सूरत से ऐकता रथयात्रा का आयोजन किया गया।

प्रशासन और सरकार पूर्ण रुप से सावधान

अमराईवाडी में जीका वायरस का पोजीटीव केस दर्ज हुआ

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर में एक ओर जनजनित और मच्छरजनित रोग का आतंक फैला हुआ है । दुसरी ओर अब जीका वायरस से भी प्रशासन में चिंता की लहर दिखी जा रही है। डेन्ग्यु और जहरीले मलेरीया के उपद्रव के बीच अब एडीसी इजिप्ती मच्छरो से फैलनेवाले जीका वायरस को लेकर लोगों में दहेशत देखी जा रही है । विशेषकर अहमदाबाद शहर में तंत्र अब अलर्ट दिख रहा है । शहर के अमराइवाडी इलाके में जीका वायरस का एक पोजीटीव केस सतह पर आने से राज्य सरकार और अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आरोग्य विभाग के अधिकारियो में भगदड़ मच गई है । शहर के अलग अलग इलाको में जीका वायरस को फैलने से रोकने के लिए सभी उपाय किए जा रहे हैं । अलग अलग इलाको में फोर्गोंग मशीन के द्वारा दवाएं छांटी जा रही है। रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन समेत सार्वजनिक स्थलो पर यात्रियों की जांच की जा रही है । अन्य आरोग्य विषयक कदम भी उठाये जा रहे हैं। इस संबंध में आरोग्य कमिशनर जयंति रवि ने बताया कि आज अहमदाबाद शहर के अमराइवाडी इलाके में जीका वायरस का एक पोजीटीव केस दर्ज हुआ है । उन्होंने कहा कि जीका वायरस को लेकर सभी जरुरी कदम उठाये जा रहे हैं। सरकार पुरी तरह से तैयार है। शहर की वीएस अस्पताल समेत सभी सरकारी अस्पतालो में ज ीका वायरस के दर्दीयों के लिए अलग वोर्ड तैयार किये गए है । गुरुवार के दिन अमराइवाडी इलाके में जीका वायरस के तीन शंकास्पद केस सतह पर आने से सनसनी फैल गई थी । जीका वायरस का कहर पिछले साल भी देखने को मिला था । जिसके चलते इस बार प्रशासन कोई खतरा मोल लेना नहीं चाहता है। पहले से ही सभी कदम उठाये जा रहे हैं। जीका वायरस की दहशत के बीच अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियोंने पिछले पांच दिनो में सीवील अस्पताल की बीजे मेडिकल कॉलेज की लेब में जीका वायरस के ३०० शंकास्पद दर्दी के ब्लड सेम्पल जांच के लिए भेज दिये है।

CBI प्रदर्शन : बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता हिरासत में

अहमदाबाद । गुजरात के ४० से अधिक कार्यकर्ताओं तथा नेताओं,पूर्व राज्य इकाई प्रमुख सहित आठ विधायकों को गांधीनगर में सीबीआई कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने पर हिरासत में लिया गया है । सीबीआई निदेशक आलोक वर्मा से अधिकार वापस लेकर उन्हें छुट्टी पर भेजने के खिलाफ कांग्रेस नेआज राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन आहूत किया है । हिरासत में लिए जाने से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक गिरजाघर से सीबीआई कार्यालय तक (करीब एक किलोमीटर तक) मार्च निकाला। गांधीनगर पुलिस अधीक्षक मयूर चावड़ा ने कहा, हमने भरतसिंह सोलंकी और आठ विधायकों सहित कांग्रेस के ४७ कार्यकर्ताओं और नेताओं को हिरासत में लिया है । उन्हें कुछ समय बाद रिहा कर दिया जाएगा । शैलेश परमार, सी.जे. चावड़ा, हिम्मत सिंह पटेल और इमरान खेड़ावाला उन विधायकों में शामिल हैं जिन्होंने प्रदर्शन में हिस्सा लिया और जिन्हें हिरासत में लिया गया ।

गुजरात कांग्रेस की युवा शाखा के महासचिव पृथ्वीराज कथवाडिया ने बताया कि मार्च के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सीबीआई के काम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दखलअंदाजी पर उनके खिलाफ नारेबाजी भी की । इस बीच, कांग्रेस द्वारा आहूत देशव्यापी प्रदर्शन के तहत असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने यहां सीबीआई के कार्यालय के बाहर धरना दिया । प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले एपीसीसी के अध्यक्ष रिपुन वोरा ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि राफेल सौदे में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच को रोकने के लिए वर्मा को शक्तियों से वंचित किया गया । वहीं विजयवाड़ा में आयकर विभाग के कार्यालय की ओर मार्च करने की कोशिश करते हुए सैंकडो कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया या । शहर में सीबीआई कार्यालय के ना होने के कारण राज्य इकाई ने आईटी कार्यालय की ओर मार्च करने की ठानी । बरहाल, मौके पर बड़ी संख्या में तैनात पुलिस कर्मियों ने उन्हें कामयाब नहीं होने दिया ।

तलाला में ओले गिरने से आश्चर्य की लहर

सौराष्ट्र और कच्छ के कई इलाको में भारी बारिश हुई

अहमदाबाद । सौराष्ट्र और कच्छ के बहुत से इलाको में कमौसमी बारिश से किसानो में चिंता की लहर दौड गई है । लगातार कमौसमी बारिश हो रही है जिसके चलते मुंगफली और अन्य फसलो को नुकसान होने की चिंता किसानो को सता रही है । अमरेली, गिरसोमनाथ इलाको में भारी पवन के साथ बारिश दर्ज हुई है । जिसके चलते बहुत से इलाको में पानी भी भर गया है । मिली जानकारी के मुताबिक गीरसोमनाथ इलोको में भारी बारिश हुई है । मिली जानकारी के मुताबिक तलाला के घुसीया और अन्य कुछ इलाको में ओले गिरने के भी समाचार मिले है । जिसके चलते फसलो को भारी नुकसान होने की दहेशत दिख रही है । कमौसमी बारिश गिरसोमनाथ इलाके में हुई है । बहुत से स्थलो पर वृक्ष भी गिर गये है । इसके अलावा कच्छ के कुछ इलाको में भी बारिश हुई है । अबडासा, नलिया समेत के इलाको में भी बारिश हुई है । अमरेली शहर और ग्राम्य इलाको में भी आज दोपहर के बाद माहौल में एकाएक परिवर्तन देखने को मिला और एकाएक बारिश के बादल घिर आए । जोरदार पवन के साथ बारिश शुरु हो गई । तलाला में ओले के साथ बारिश हुई है । वृक्ष भी बड़ी संख्या में धराशायी हुए है । दुसरी ओर किसानो की मुंगफली की फसल पर पानी फिर गया है । जिसके चलते किसानो की चिंता बढ़ गई है । बहुत सी जगहो पर बारिश के चलते पानी भी भर गया है । अमरेली के इश्वरीया गांव में भारी पवन के साथ बारिश दर्ज हुई है। लीलीया के एकलेरा गांव में बारिश हुई है । किसानों की चिंता कमौसमी बारिश बढ़ गई है । मुंगफली की फसल तैयार हो चुकी थी किन्तु अब बारिश होने से किसानो को नुकसान होता दिख रहा है। दुसरी ओर मौसम विभाग ने बताया है कि सौराष्ट्र और कच्छ इलाको में बारिश दर्ज हुई है। मौसम विभाग की ओर से कोई भी बारिश की चेतावनी जारी नहीं की गई है । आज अहमदाबाद शहर में अधिकतम तापमान ३६.९ डिग्री और न्यूनतम तापमान २०.७ डिग्री दर्ज हुआ । अहमदाबाद शहर में रहनेवाले लोग अब देर रात और सुबह के वक्त हल्की ठंड का अनुभव भी कर रहे हैं। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में आज अधिकतम तापमान ३५ डिग्री और न्यूनतम तापमान १८.६ डिग्री दर्ज हुआ । नलिया में बारिश के बीच २० डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ । अहमदाबाद के लिए लोकल अनुमान में बताया गया है कि शहर में अधिकतम तापमान कल शनिवार के दिन ३७ डिग्री दर्ज होगा ।

चोरी करने वाले गिरोह के चार गिरफ्तार

नवसारी। दक्षिण गुजरात के अलग अलग शहरों में घरफोड चोरी करनेवाले गिरोह के चार सदस्यों को नवसारी पुलिस ने गिर तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से रिक्शा, आभूषण, ट्वेरा और बाइक समेत कुल 7 लाख रुपए का माल भी जब्त किया है। पिछले काफी समय से दक्षिण गुजरात के नवसारी और वलसाड घरफोड चोरों के गिरोह ने लोगों की नींद हराम कर रखी थी।

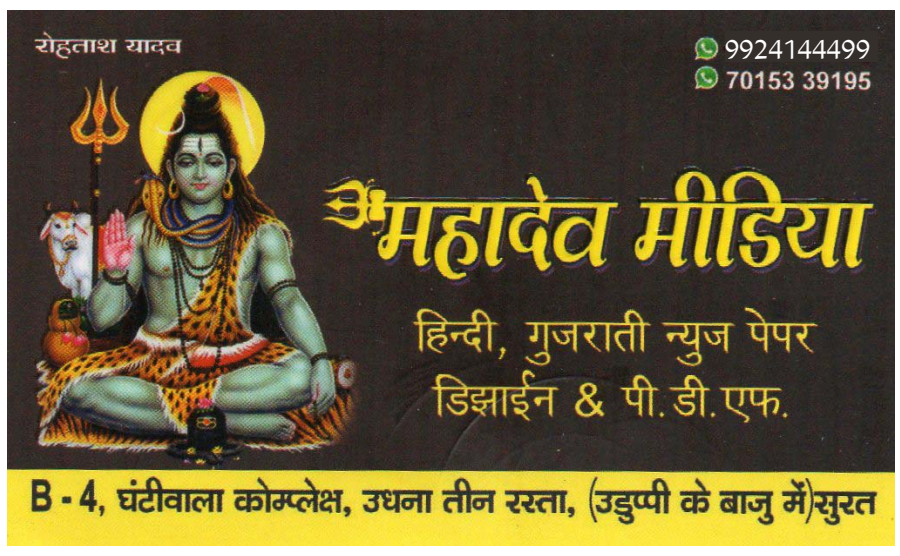

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)